ये अव्यक्त इशारे

जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करने के लिए बन्धनों से मुक्त बनो

24-12-2023

स्वमान और अभिमान के अन्तर को महीनता से चेक करके बोलचाल, उठने-बैठने में जो अभिमान दिखाई देता है या अपमान की जो फीलिंग आती है, इस अपमान और अभिमान से भी मुक्त बनो। जब अपने बुद्धि के अभिमान, श्रेष्ठ संस्कार, स्वभाव के अभिमान, सेवा की सफलता के अभिमान से मुक्त बनो तब ब्रह्मा बाप समान सम्पूर्ण फरिश्ता बन सकेंगे।

In order to experience the stage of liberation-in-life become free from bondage.

Check the difference between self-respect (swaman) and arrogance (abhimaan) in a refined way, and become free from the arrogance that is visible in your way of speaking or in your moving and interacting, or in any feeling of insult that comes. When you become free from the arrogance of your intellect, the arrogance of your elevated sanskars and nature, the arrogance of success in service, then you will be able to become a perfect angel, the same as Father Brahma.